

# CSIR in Media



News Bulletin  
21<sup>st</sup> to 30<sup>th</sup> September 2018





CSIR-CBRI

29<sup>th</sup> September, 2018

**आयोजन** सीबीआरआई रुड़की में विज्ञान महोत्सव का किया गया आयोजन

## जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने को किया प्रेरित

जागरण संवाददाता, रुड़की : केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम जनता ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि चौथा अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव पांच-आठ अक्टूबर के मध्य लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इसमें अधिकाधिक लोगों को प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान भारती देहरादून क्षेत्र उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. महेश भट्ट ने बताया कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे कार्यक्रमों में अपने ज्ञान एवं विचारों को साझा करने के लिए युवाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने विज्ञान में युवाओं के लिए करियर के अवसर और वैज्ञानिक जुनून-उत्तम शिक्षा और अंधविश्वास के विरुद्ध जंग विषय पर व्याख्यान दिया।



सीबीआरआई रुड़की में आयोजित विज्ञान महोत्सव में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो चरित्र निर्माण, मन सुदृढ़ एवं बृद्धि विस्तार कर अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम बना सके। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। सीबीआरआई-सिम्फर धनबाद के क्षेत्रीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी से परिचय पर व्याख्यान दिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने संस्थान की ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान

आदि प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। साथ ही वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श सत्र में भाग लिया। कार्यक्रम में चिल्ड्रेन सीनियर एकेडमी, मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज, न्यू एरा पब्लिक स्कूल, कॉलेज आफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मदरहुड यूनिवर्सिटी और केंद्रीय विद्यालय देहरादून के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ. एस सरकार, अनिल कुमार, शिल्पी जैन, बी श्रीनिवास, पलक गोयल, मेहराजुद्दीन, हरीश, प्रदीप कपूरिया आदि उपस्थित रहे।

**Published in:**  
Dainik Jagran



CSIR-CBRI

28<sup>th</sup> September, 2018



रुड़की में गुरुवार को पत्रकारों से वार्ता करते सीबीआरआई के वैज्ञानिक। • हिन्दुस्तान

## विज्ञान को लोगों से जोड़ना जरूरी

रुड़की | कार्यालय संवाददाता

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव आयोजित किया जाएगा। विज्ञान महोत्सव को देखते हुए संस्थान आम लोगों के लिए खुला रहेगा।

संस्थान में आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिनोचा ने बताया कि समाज को विज्ञान से जोड़ने के लिए वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराने के लिए विज्ञान महोत्सव का बेहद महत्व है। शुक्रवार को संस्थान में विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान आम जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। संस्थान में

एक तकनीकी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिसके तहत संस्थान की तकनीकियों को तकनीकी चार्ट एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसफ-2018) 5 से 8 अक्टूबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। आईआईएसएफ 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रम होंगे।

**Published in:**  
Hindustan



CSIR-NML

27<sup>th</sup> September, 2018



# राष्ट्र निर्माण में एनएमएल की भी भूमिका

खनिज प्रकृति प्रदत्त संसाधन नहीं संजोया तो भुगतेंगे : राव

एनएमएल का 76वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित, हुआ मंथन

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (एनएमएल) की भूमिका अहम रही है। मेटलर्जी (धातुकर्म) बहुत सारे शोध में खास स्थान रखता है। यह बातें रीजनल रिसर्च लेबोरेटरी भोपाल के पूर्व निदेशक प्रो. टीसी राव ने एनएमएल के 76वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं।

खनिज संसाधन के सतत विकास विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए सीएसआईआर लैब को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। धातुकर्म शोध के जरिए एनएमएल राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे ही रहा है। हमें अपने शोधों में पानी के कम इस्तेमाल पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही खनन आदि में कम से कम कचरा निकले, इसपर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में इतनी क्षमता रही है कि मार्स पर सुपर कंप्यूटर,



दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि • जागरण

क्रायाजैविक तकनीक भेज सके। समारोह की शुरुआत एक डाक्यूमेंटरी फिल्म से हुई जिसमें संस्थान के 76 के इतिहास को दर्शाया गया। एनएमएल के निदेशक डॉ. इंद्रनील चट्टोपाय ने मुख्य अतिथि व

अन्य अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वैज्ञानिक व मिनिस्टर प्रोसेसिंड डिवीजन के हेड डॉ. रत्नाकर सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय करवाया। इस दौरान सीएसआईआर-एनएमएल 2017-

01 वार्षिक प्रतिवेदन हिंदी में किया गया जारी

76 साल के गौरवपूर्ण इतिहास पर अतिथियों ने की चर्चा -

मेधावी छात्रों का सम्मान : हृषिक सागर, हिंदी निबंध लेखन के विजेता : शशिकांत चौधरी प्रथम, भूपेश्वर महतो द्वितीय, कृष्ण कुमार तृतीय। अंग्रेजी निबंध

लेखन के विजेता : स्नेहा मुखर्जी प्रथम, शाश्वती चक्रावती द्वितीय, रॉबर्ट बारला तृतीय।

18 का हिंदी में वार्षिक प्रतिवेदन मुख्य अतिथि ने जारी किया। उन्होंने निबंध लेखन में सीएसआईआर फाउंडेशन डे अवार्ड, मेधावी छात्र अवार्ड व स्वतंत्रता दिवस अवार्ड भी प्रदान किए।

प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू जासं, जमशेदपुर : सीएसआईआर-नेशनल मेटलर्जिकल लेबोरेटरी के लेक्चरर हॉल में बुधवार को एक्सपेरिमेंटल टूल्स एंड टेक्निक्स फोर मेटेरियल कैरेक्टराइजेशन (इटीएमसी 2018) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एनएमएल के निदेशक डॉ. इंद्रनील चट्टोपाय ने किया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए 25 से 28 तक चार दिनी कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। बताया कि इस दौरान वैज्ञानिकों को एक-दूसरे के अनुभव से सीखने के अलावा भविष्य में रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में अनुभव का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। रिसर्च, प्लानिंग एंड बिजनेस डेवलपमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ. अमिताव मित्रा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल कारपोरेट ट्रेनिंग प्रोग्राम के बारे में भी जानकारी दी।

जासं, जमशेदपुर : खनिज प्रकृति प्रदत्त संसाधन हैं जिसे मानवीय तरीके से नहीं बनाया जा सकता। इसलिए इसे आनेवाली पीढ़ी के लिए संजोकर रखने की जरूरत है। इसके प्रति आज संजीदा नहीं हुए तो भुगतना पड़ेगा। सीएसआईआर-एनएमएल के स्थापना दिवस समारोह के बाद विशेष बातचीत में रीजनल रिसर्च लेबोरेटरी भोपाल के पूर्व निदेशक प्रो. टीसी राव ने कहा कि अमेरिका सहित तमाम देश अपने यहां के तेल व प्राकृतिक संसाधनों को बचाकर रखते हैं। दूसरे देशों से आयात कर इनका इस्तेमाल करते हैं ताकि भविष्य के लिए इन्हें सुरक्षित रख सकें। हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते, इसपर गंभीरता से सोचने की जरूरत है।  
डाइ प्रोसेसिंग तकनीक अपनाने की जरूरत : मेटलर्जी शोध, खनन आदि में जल का काफी उपयोग करना पड़ता है। जल की बचत समय की मांग है। इसलिए हमें डाइ प्रोसेसिंग तकनीकी आधारित गतिविधियों को अपनाना होगा। इस दिशा में काम भी चल रहा है।



सीएसआईआर भोपाल के पूर्व निदेशक प्रो. टीसी राव, साथ में डॉ. रत्नाकर सिंह।

खोज व खनन में वैश्विक भूमिका निभा सकता है भारत : प्रो. टीसी राव ने कहा कि खनिज संसाधनों के एक्सप्लोरेशन व माइनिंग में भारत वैश्विक स्तर पर अहम भूमिका निभा सकता है। हमारे पास ऐसी तकनीक और संसाधन उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं मौजूद हैं।

आयरन ओर खनन में 40 फीसद निकलता है वेस्ट : आयरन ओर का उदाहरण देते हुए प्रो. टीसी राव ने कहा कि कोल्हान में आयरन ओर की काफी उपलब्धता है। इसके खनन में 40 से 45 प्रतिशत वेस्ट निकल जाता है। यह गंभीर चिंता का विषय है। हमें हर हाल में इस खनिज के अधिकतम उपयोग के लिए काम करना होगा।

Published in:  
Dainik Jagran



CSIR-NML

27<sup>th</sup> September, 2018

State and Neighbour

THE AVENUE MAIL

Jamshedpur, Thursday, September 27, 2018

# NML celebrates 76th CSIR Foundation Day

**Jamshedpur, Sept. 26 :** The Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) - National Metallurgical Laboratory today celebrated the 76th CSIR Foundation Day at NML Auditorium. Prof. T.C. Rao, former director of Regional Research Laboratory (CSIR), Bhopal was present on the occasion as chief guest while Dr. I. Chatteraj, director, NML, Dr. Ratnakar Singh, chief scientist and S.R. Hembram, controller of administrator were present.

The function started with CSIR Documentary film depicting CSIR contributions over the last 76 years towards the Nation Building, followed by lighting of ceremonial

lamp. Dr. Indranil Chatteraj, Director, NML welcomed the Chief Guest and other dignitaries, NML Retirees, scientists and invitees present. Dr. Chatteraj highlighted the achievement of CSIR. Dr. Ratnakar Singh, Chief Scientist & Head, Mineral Processing Division introduced the Chief Guest.

Prof. T.C. Rao congratulated all CSIR NML Staff members, retirees for their fruitful completion of 76 years of journey and appreciated the contributions made by CSIR. Prof. Rao delivered a talk on "Sustainable growth of Mineral Resources - Holistic Approach: A potential for CSIR labs to play". He mentioned that



metallurgy is the backbone of several inter-disciplinary research. NML has been playing a key role in building nation in terms of metallurgical research. He also added, our research

should be strengthened in dry beneficiation, which will save water. He emphasized on minimizing the waste industries currently generating through tailings. He

suggested further improvement in mineral processing technologies from the existing ones to be crucial.

During the function, CSIR-NML Annual Report 2017-2018 in Hindi was also released by the Chief Guest. More than 120 students and faculties from NTTF Burmamines, Sister Nevadita English School and AIT, Adityapur also visited CSIR-NML.

Chief Guest Prof. Rao gave away the CSIR Foundation Day awards in Essay Competitions (both in English and Hindi categories), two meritorious student awards and Independence day celebration awards, organized by NML Staff

Club.

One time lump sum cash award of Rs. 3,000/-for securing 90% marks or above in each of minimum three science subjects in the Senior Secondary Examination (12th class) held in 2018. HrishikSagar S/o Dr. SarmishthaPalitSagar, Sr. Principal Scientist scored 96.33%.

Third Category- One time lump sum cash award of Rs. 2,000/-for securing 100% marks in any science subject in the Senior Secondary Examination (12th class) held in year 2018. HrishikSagar S/o Dr. SarmishthaPalitSagar, Sr. Principal Scientist scored 100% marks in Computer Science.

The Avenue Mail

Thu, 27 September 2018  
www.readwhere.com/read/c/32583268



**Published in:**

The Avenue Mail



CSIR-IHBT

27<sup>th</sup> September, 2018

**जानकारी**
**प्रदेश में पाई जाती हैं 800 औषधीय गुणों की जड़ी-बूटियां, सीएसआइआर कर रहा संरक्षण का प्रयास**

# लापरवाही चूस गई पुष्पी पौधों का रस

**जागरण संवाददाता, पालमपुर :** प्रदेश में पाई जाने वाली 800 प्रकार की जड़ी-बूटियों में से 56 खत्म होने की कगार पर हैं। इनके संरक्षण के लिए प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन अवैज्ञानिक तरीके से पूर्व में हुए दोहन के कारण इन पर खतरा मंडराया है। पिछले एक साल से पता लगाकर इनके संरक्षण के लिए सीएसआइआर-आइएचबीटी (काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च-इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायो रिसोर्स टेक्नोलॉजी) भी प्रयासरत है।

प्रदेश में 3500 के करीब पुष्पी पौधे पाए जाते हैं और इनमें से 800 प्रकार के औषधीय गुणों वाले पौधे यानी जड़ी-बूटियां होती हैं। जैव विविधता के संरक्षण के लिए कार्य कर रहे सीएसआइआर ने पूर्व में किए अध्ययन में पता लगाया है कि 56 प्रकार की जड़ी बूटियां खतरे के निशान में हैं। इनमें प्रमुख, कड़ू,



सीएसआइआर पालमपुर में पंचायत प्रतिनिधियों को जानकारी देते डॉ. राकेश सूद • जागरण

संस्थान का उद्देश्य जैव संसाधनों से जैव आर्थिकी को बढ़ावा देना है। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर काम किया जा रहा है। जड़ी-बूटियों के संरक्षण के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अब तक 56 प्रकार की जड़ी-बूटियां खतरे की जद में हैं।

**-डॉ. संजय कुमार, निदेशक सीएसआइआर-आइएचबीटी**

नागछतरी, पतीस, जंगली लहसुन व गुच्छी आदि शामिल हैं।

इसका पूरा डाटाबेस भी संस्थान ने तैयार किया था तथा उसके आधार पर इनके संरक्षण पर कार्य किया जा रहा है। संस्थान का प्रयास है कि जहां ये पाई जाती हैं वहां इन्हें पुनः तैयार

किया जाए और इनका प्रयोग जैव आर्थिकी में किया जाए। संस्थान इस कड़ी में पांच प्रकार के मिशन चला रहा है, जिसमें ऐरोमा मिशन, औषधीय संबंधी मिशन, न्यूट्रीशनल फूड, फ्रूट टेक्नोलॉजी व खाद्य विविधता शामिल है।

**विद्यार्थियों व किसानों ने ली तकनीक की जानकारी**

सीएसआइआर-आइएचबीटी पालमपुर में बुधवार को समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों, किसानों व पंचायत प्रतिनिधियों ने संस्थान की ओर से विभिन्न कार्यों के लिए अपनाई जा रही तकनीक की जानकारी ली। इस मौके पर वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया और इसमें संस्थान की ओर से विकसित किए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस मौके पर डीएवी हमीरपुर, न्यूगल पब्लिक स्कूल, सेंट पॉल पालमपुर, जय पब्लिक स्कूल बनूरी, रेनबो इंटरनेशनल स्कूल नगरौटा, केंद्रीय विद्यालय पालमपुर, केंब्रिज स्कूल पालमपुर, एवीएम स्कूल, ठाकुरद्वारा व सरकारी स्कूलों के 500 विद्यार्थियों व उनके अध्यापकों ने उपस्थिति दर्ज करवाई। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान पालमपुर के पूर्व वैज्ञानिक प्रभारी डॉ. ओपी शर्मा ने बच्चों को वैज्ञानिक व्याख्यान दिया।

**Published in:**  
Dainik Jagran



## Outreach event marks CSIR Foundation Day

### CSIR-CSIO



As a part of the India-International Science Festival (IISF) being held to commemorate the Foundation Day of the Council for Scientific and Industrial Research (CSIR), an outreach programme was organised at the Central Scientific Instruments Organisation (CSIO) for young students to spread awareness about research activities being undertaken here. The purpose of the IISF is to promote science and technology and demonstrate how science can lead India towards development within a short span of time. The aim is to engage public through science and show how science, technology, engineering and mathematics (STEM) provide solutions to improve

27<sup>th</sup> September, 2018 lives. The venture is being undertaken by the Ministry of Science and Technology and Ministry of Earth Sciences in association with Vijnana Bharati. More than 1,500 students from various colleges and schools in the region visited the CSIO laboratories and interacted with scientists involved in technology development for agriculture, healthcare and defence sectors under the government's "Make in India" and "Innovate in India" schemes.

A quiz on current science was also organised. Students were of all age groups starting from very young school students to those pursuing engineering. Small experiments were set up in laboratories where the students were shown working projects. The scientists encouraged the students to ask questions and they also answered all their queries.

**Published in:**  
[Tribune India](http://tribuneindia.com)



CSIR

27<sup>th</sup> September, 2018

# मजदूरों की मदद वाला उपकरण बनाने वाले छात्र सम्मानित

■ नई दिल्ली (वार्ता)।

भार उठाने में मजदूरों की मदद करने वाला उपकरण बनाने वाले छात्रों और देसी छोटे विमान सारस के परीक्षण को अंजाम देने वाले पायलटों को बुधवार को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर) के 76वें स्थापना दिवस के मौके पर सम्मानित किया गया।

विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में नीति आयोग के सदस्य तथा रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व प्रमुख वी.के. सारस्वत ने विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में वर्ष 2018 के लिए स्कूली बच्चों को नवोन्मेष पुरस्कार, वर्ष 2015 और 2016 के लिए हीरक जयंती प्रौद्योगिकी पुरस्कार, ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान एवं

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संस्थान के 76वें स्थापना दिवस के मौके पर सम्मानित किया गया

नए उपकरण से काम आसान होगा और चोट लगने का जोखिम तथा उच्च रक्तचाप का खतरा कम होगा

बाल, ऊन और सूक्ष्म संरचना वाले क्यूटिकल्स से पानी फिल्टर की तकनीक भी विकसित

प्रौद्योगिकी नवाचार पुरस्कार और वर्ष 2018 के लिए सीएसआईआर प्रौद्योगिकी पुरस्कार दिये। स्कूली बच्चों की श्रेणी में पटना के

मानेर के प्रारंभिका स्कूल, अहमदपुर के पाँच छात्रों को प्रथम पुरस्कार दिया गया। उन्होंने श्रमिकों को भार उठाने में मदद करने वाला उपकरण विकसित किया है जिससे उनका काम आसान होगा और उन्हें चोट लगने का जोखिम तथा उच्च रक्तचाप का खतरा कम होगा।

इसी स्कूल के पाँच अन्य छात्रों को नारियल के रेशों या पुआल को कैल्सियम ऑक्साइड और गुड़ मिलाकर स्लैब बनाने की तकनीक विकसित करने के लिए संयुक्त रूप से दूसरा पुरस्कार दिया गया। इस स्लैब को बनाने में प्रदूषण कम होता है तथा इनकी मजबूती भी जाँची जा चुकी है।

दिल्ली के श्रेष्ठ विहार स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के दो छात्रों को स्वतः साफ और फलश होने वाले ड्रीम शौचालय बनाने के लिए संयुक्त रूप से दूसरा पुरस्कार दिया गया।

स्कूली छात्रों की श्रेणी में पुरस्कृत अन्य छात्रों में ओडिशा के एक छात्र ने तीन सवारियों के साथ या शराब पीकर या तेज गति से बाइक चलाने वालों की स्थिति जीपीएस के जरिये पुलिस और एम्बुलेंस को बताने वाली स्मार्ट बाइक बनाई है। कर्नाटक के दो छात्रों ने ऐकेशिया पिकनैन्था के बीजों से हर्बल क्लिनिंग एजेंट और सेनीटाइजर विकसित किया है। बोकारो, झारखंड के एक छात्र ने बाल, ऊन और सूक्ष्म संरचना वाले क्यूटिकल्स से पानी फिल्टर करने की तकनीक विकसित की है। छत्तीसगढ़ के दो छात्रों ने सड़क पर थूक अथवा लार के कारण होने वाली बीमारियों की समस्या से निजात के लिए उपकरण विकसित किया है। छत्तीसगढ़ के तीन छात्रों ने दाह संस्कार रस्म के कारण होने वाले नदी प्रदूषण से संबंधित समस्या से निजात पाने के लिए विधि प्रस्तावित की है।

**Published in:**

Rastriya Sahara, page no. 9



## CSIR-NEERI holds International Science Festival Programme on 76<sup>th</sup> Foundation Day

### CSIR-NEERI



CSIR-National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI) organised India International Science Festival (IISF-2018) outreach programme and 76<sup>th</sup> CSIR Foundation Day celebration on 26<sup>th</sup> September, 2018. Hon'ble Minister of State for Home Affairs Shri Hansraj Ahir was the Chief Guest and Dr. Rajan Welukar, Vice-Chancellor, GH Rasoni University was the Guest of Honour. While addressing the audience, Shri Ahir said that though CSIR-NEERI has significantly contributed but expectations are still high looking at the worsening environmental problems. The Institute has

27<sup>th</sup> September, 2018 a big responsibility to provide clean air and clean water to the people. Expressing concern over the disasters, the Minister said in the recent monsoon season, floods and landslides have affected thousands of people across. We need to find out some effective solutions, he added. He also expressed concern over ever increasing environmental problems related to chemicals and fertilizers. He also lauded the efforts of our Prime Minister for improving the work culture. He opined that CSIR-NEERI should have been utilized to the fullest extent possible for solving environmental problems in the country. He said that people are leaving rural areas to better live in the city which is a major concern. We need to create conducive environment in rural areas, he added. He applauded the initiatives of CSIR-NEERI to reach the masses through outreach programmes. Dr. Welukar expressed concern over environmental degradation. He stated the roles of various institutions to ensure growth and development of the country. He advised the scientists to more focus on ‘



FEW', i.e. Food, Energy, Water. He advised that everyone should know big data and how to use it to determine the risks on environment. He also advocated that we need to understand our society so that proper care can be taken. Earlier, Dr. Rakesh Kumar informed that the Institute has been working on rejuvenation of water bodies and control of air pollution. He listed some of the recent achievements of the Institute. The Hon'ble Minister Shri Hansraj Ahir inaugurated the first extension centre of Centre for Strategic Urban Management (C-SUM) to be set up in Delhi on this occasion.

The Institute remained open for general public including students. Approximately 2500 students visited the Institute. Science Models Exhibition-cum-Competition on environmental science & engineering for school-students was organized. The Institute will showcase its scientific achievements and research facilities to students and the general public. The institution will open its labs to the common public and organize exhibitions, scientist-student-public interactions, popular lectures, etc.

Science Models Competition was organized on this occasion. The dignitaries gave away the prizes to the winners. In the first category (5th to 7th standards), first prize was conferred to Bhavan's B.P. Vidya Mandir, Civil Lines, Nagpur for presenting the model on 'Smart Kitchen'; second prize was given away to Centre Point School, Katol Road, Nagpur for the model on 'Air Pollution Control', third prize was handed over to Podar International School, Godhani, Nagpur for model on 'Solid Waste Management' and consolation prize to Saraswati Vidyalaya, Nagpur for model on 'Air Pollution Control'. In the second category (8th -10th standards), first prize was given away to Sandipani Hazaripahad, Nagpur for the model on 'Wave Power Plant', second prize to Delhi Public School, Kamptee Road, Nagpur for the model on 'Resource Conservation', third prize was conferred to Bhavan's B.P. Vidya Mandir, Srikrishna Nagar, Nagpur for the model on 'Mapping Solutions for Green Planet' and consolation prize to TBRAN's Mundle English Medium School, Nagpur for the model on 'Rainwater Harvesting'.



In the third category (11th to 12th standards), first prize was conferred to Kendriya Vidyalaya, Vayusena Nagar, Nagpur for presenting the model on 'Green Screens and Plants', second prize was given away to Bhavan's B.P. Vidya Mandir, Civil Lines, Nagpur for presenting the model on 'Maharat: Waste Management Plant', third to J.N. Tata Parsi Girls' Junior College, Nagpur for the model on 'Sensory Vertical Farming' and consolation prize to Centre Point School, Katol Road, Nagpur for presenting the model on 'Solid Waste Management'

The mementoes were presented to the CSIR-NEERI employees on their completion of 25 years of service in CSIR. The samaanpatra, shawls and mementos were given to the recently retired CSIR-NEERI employees. The winners and runner-ups of the sport competitions were also given away the prizes on this occasion.

Dr. J.S. Pandey proposed vote of thanks. Mr. Prakash Kumbhare conducted the proceedings.



CSIR-NGRI

26<sup>th</sup> September, 2018

## విద్యార్థులూ రండి... పరిశోధనలు తెలుసుకోండి



**పరిశోధనలు తెలుసుకోండి**

దేశంలోని సహజ సంపదను ఆభివృద్ధి చేయడం, కొత్త పరిశ్రమలను స్థాపించేందుకు ఓ పరిశోధన సంస్థను ఏర్పాటు చేయాలని 1930లో నిర్ణయించారు. సర్ సీఎం రామన్, లెఫ్టినెంట్ కలనల్ సీమోన్ సెవెల్, తేజీ హెయిల సంలహ్ మేరకు సీఎస్ఐఆర్ ఏర్పాటుకు ఒక సంవత్సరం కంటే ముందుగా 1933, 1934, 1939, 1940లలో సమావేశాలు నిర్వహించి, దీనికి సంబంధించిన నివేదికలు సమర్పించారు. 1940 ఏప్రిల్ 1న బొంబే ఆఫ్ సైంటిఫిక్ అండ్ ఇండస్ట్రియల్ రీసెర్చ్ ఏయిట్ సంస్థను ఏర్పాటు చేశారు. 1942 సెప్టెంబర్ 28న సీఎస్ఐఆర్గా మారింది.

**నగరంలోనే మూడు...**

సీఎస్ఐఆర్ ఆదర్శంలో దేశవ్యాప్తంగా 38 పరిశోధనా కేంద్రాలు ఏర్పాటు చేయగా, నగరంలోనే మూడు ఉన్నాయి. అవి సెంటర్ ఫర్ సెల్యూలర్ అండ్ పాలిమర్స్ రిసెర్చ్ (సీసీపిఆర్), ఇండియన్ ఇన్స్టిట్యూట్ ఆఫ్ టెక్నాలజీ (ఐఐటి), నేషనల్ ఇన్స్టిట్యూట్ ఆఫ్ టెక్నాలజీ (ఎన్ఐటి).

**తార్కాన:** మానవాళికి ఉపయోగపడే పరిశోధనలు చేస్తూ... సైన్స్పై విద్యార్థులు, ప్రజల్లో అవగాహన కల్పిస్తోంది శాన్టిల్ ఆఫ్ సైంటిఫిక్ అండ్ ఇండస్ట్రియల్ రీసెర్చ్ (సీఎస్ఐఆర్). నేడు సీఎస్ఐఆర్ వ్యవస్థాపక దినోత్సవం. ఈ సందర్భంగా విద్యార్థుల కోసం ముదవారం ఓపెన్ డే నిర్వహిస్తోంది. ఇందులో భాగంగా సీసీపిఆర్, ఐఐటి, ఎన్ఐటిల ల్యాబ్లలో సందర్శనకు విద్యార్థులకు అవకాశం కల్పిస్తోంది.



**పరిశోధనల వివరణ..**

ఐఐటి కాన్పూర్లో ప్రస్తుతం 20 రోజుల జనరిక్ ట్రైనింగ్ పరిశోధనలు జరుగుతున్నాయి. అలాగే విమానాలు, పంటలకు వాడే రసాయనాల తయారీలో వినియోగించే హైడ్రోజన్ సైక్లోప్రెస్ గురించిన ఓ పరిశోధన సంస్థలో జరుగుతున్న పరిశోధనలపై విద్యార్థులకు వివరించనున్నారు. ఇప్పటి వరకు హైడ్రోజన్ సైక్లోప్రెస్ పై, కొరియాల నుంచి రిగమిలి చేసుకుంటున్నాం. అయితే అది చాలా ఖర్చుతో జరుగుతున్నందున... మనమే అందుబాటులోకి తేవాలని పరిశోధనలు ప్రారంభించాం. 2018 ఏప్రిల్ నాటికి అందుబాటులోకి తీసుకొస్తాం. ఇది అందుబాటులోకి వస్తే రసాయనాలు మరింత లోకంగా వస్తాయి. ఇలాంటి ఎన్నో విషయాలు ఓపెన్ డేలో విద్యార్థులకు వివరించనున్నాం.

**సైన్స్పై అవగాహన..**



సైన్స్పై విద్యార్థుల్లో అంతే తగ్గుకోంది. ఇదే పరిస్థితి కొనసాగితే భవిష్యత్తులో పరిశోధనలు కుంటుపడే ప్రమాదముంది. సైన్స్ ప్రాముఖ్యత, దానితో మానవాళికి ఉపయోగం కలిగే పరిశోధనలకు దివ రించాలనే ఓపెన్ డే నిర్వహిస్తున్నాం. విద్యార్థుల తల్లిదండ్రులకు సైన్స్పై అవగాహన కల్పించే దిశగా ముందుకెళ్తున్నాం.

- డాక్టర్ రాకేశ్ మిశ్రా, సీసీపిఆర్ డైరెక్టర్

**10వేల మంది లంచనా..**



ప్రతి ఏటా సీఎస్ఐఆర్ వ్యవస్థాపక దినోత్సవాన్ని పురస్కరించు కొని విద్యార్థులకు సైన్స్పై అవగాహన కల్పించాలనే ఉద్దేశంతో ఓపెన్ డే నిర్వహిస్తున్నాం. మూడు పరిశోధన సంస్థలకు సంబంధించి ఒక్కో ల్యాబ్ను విద్యార్థుల సందర్శనార్థం తెరిచి ఉంచుతాం. 8వ తరగతి నుంచి ఇంటర్, డిగ్రీ, ఇంజనీరింగ్ వరకు డిగ్రీలున్న విద్యార్థులు ఈ ప్రదర్శనను తిలకించొచ్చు. ఈసారి సుమారు 10వేల మంది విద్యార్థులు హాజరయ్యే అవకాశం ఉంది. అందుకు అనుగుణంగా ఏర్పాట్లు చేశాం.

- డాక్టర్ రిషి శివానీ, ఎన్ఐటి డైరెక్టర్

**డాక్టర్ రిషి శివానీ**  
ఎన్ఐటి డైరెక్టర్



**డాక్టర్ రిషి శివానీ**  
ఎన్ఐటి డైరెక్టర్

**Published in:**  
Telangna Today



[Innovative Push]

# IICT plans big on life-saving drugs

Initiative part of CSIR efforts to make generic versions of such drugs affordable

M. SAI GOPAL  
HYDERABAD

In a significant development towards making an array of life-saving drugs affordable, the Hyderabad-based Indian Institute of Chemical Technology (IICT) is innovating novel processes to manufacture close to 20 major drugs, which are going off-patent in the immediate future.

The IICT initiative is part of the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) mission to make generic versions of life-saving drugs that can be cost-effective for all. The Rs 85-crore CSIR project envisages development of new and novel processes to manufacture the drugs and transfer the technology to pharmaceutical companies by March, 2020.

The researchers at the top chemical city-based research institute here are already working towards development of non-patent infringing processes on 20 active pharmaceutical ingredients. The research work is being taken up on

## Touching lives

IICT developing unique processes on 20 active pharmaceutical ingredients

- Includes drugs meant for anti-cancer, anti-bacterial hepatitis
- Working to develop two immune-modulators for improved immunity levels
- Landmark Eribulin drug for breast cancer already transferred to industry
- Research is part of ₹85 cr CSIR mission to make generic drugs
- Open for MoU with small and medium pharmaceutical companies



This is a pure CSIR mission aimed to make life-saving drugs that are going off-patent, affordable to general public. The target is to develop novel processes by 2020 March



— Dr S Chandrasekhar,  
IICT Director

anti-virals, anti-bacterials, drugs meant for treating cancers, vital antibiotics and drugs that work directly on the central nervous system (CNS).

### Issue of affordability

"This is a pure CSIR mission aimed to make life-saving

drugs that are going off-patent, affordable to general public. The target is to develop novel processes by 2020 March and we are only looking at small and medium sized companies to work with," said IICT Director Dr. S. Chandrasekhar.

The IICT researchers are

## Rocket fuel to get cheaper

In a classic case of bettering China in innovation, IICT has transferred a technology to Gujarat Alkalies and Chemicals Limited to manufacture Hydrazine Hydrate on a large scale at a cheaper price. The technology transfer comes after five years of painstaking collaborative research to develop a cost-effective process to manufacture Hydrazine Hydrate, which is the most favoured rocket fuel and used to manufacture pesticides.

(SEE PAGES 2,3)



## IIIM celebrates CSIR Foundation Day

### CSIR-IIIM



JAMMU, Sept 26: The 76th Foundation Day of Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) was celebrated here today at Indian Institute of Integrative Medicine (IIIM) auditorium. Eminent scientists, faculty members of research and educational institutions, entrepreneurs, invited dignitaries, guests, members of press & media and staff members of CSIR-IIIM were present on the occasion. Dr. Rajesh S. Gokhale, former Director, CSIR-Institute of Genomics and Integrative Biology (CSIR-IGIB) and Staff Scientist, National Institute of Immunology, New Delhi was chief guest. The celebration was organized in two days event where on the first day IIIM & VIBHA jointly organized a pre-cursor

26<sup>th</sup> September, 2018 event in which the institute observed open day for students and various competitions were also organised. There was quiz, extempore and science models competitions for the students of 9th to 12th class and also visit to various divisions of the institute where scientists and technical staff demonstrated the research activities. An impressive exhibition was held in which aromatic and medicinal products developed by CSIR-IIIM, Jammu were put on display. On second day, Dr. Ram Vishwakarma, Director, IIIM Jammu in his welcome address introduced the chief guest to the audiences and described him as distinguished scientist of international repute who led interdisciplinary initiatives that have spawned new avenues in the area of functional genomics research and healthcare. Dr. Gokhale delivered the CSIR foundation day lecture entitled 'Renewing the romance in the love-lost marriage: Bio-entrepreneurship in India'. He said that CSIR is a frontier R&D organization of our nation which indeed owes much responsibility of the science policy of



this country in research and education. The chief guest also distributed prizes for different activities conducted as part of foundation day celebrations. In the extempore competition, First Prize won by Dheeraj Singh of Army Public School, Domana, Second Prize went to Pooja Chargoitra of St. Fransis Hr. Sec. School while Neha Khajuria of Kendriya Vidyalaya No. 1, Jammu got the third prize. Consolation Prize-1 was awarded to Paras Pandita from Kendriya Vidyalaya, Bantalab and consolation Prize-2 to Akhilesh Bhat of Kendriya Vidyalaya No. 2, Jammu In the Science Model making competition, the First Prize winner was Sarthak Bhan and Prabhleen of SOS, Talab Tillo, Jammu for their Nitrogen Detection & Supplementation model, the Second Prize won by Shaheen Akhtar of Kendriya Vidyalaya Sunjuwan, for Vehicular Exhaust Filter and the Third Prize went to Akhil Koul from B.S.F. Senior Secondary for Bioplastic Factory. In this category, Harsh Singh of Kendriya Vidyalaya, Sunjuwan for Wheelchair Model and Kunal Singh of Kendriya Vidyalaya, Bantalab for Hydroponics got the two consolation prizes. The Science quiz competition was also held. The First, Second and third prizes were won by Aditi Raina of Army Public School, Domana, Neeraj Sharma from KV-2 Akhnoor and Shivani Sharma of Shiksha Naketan Senior Secondary School, Jammu respectively. Anmol Raina, KV Bantalab and Sonal Abrol Shiksha Naketan Senior Secondary School, Jammu got consolation Prizes.



## Scientists should collaborate with one another

### CSIR-CECRI



Share ideas for innovative research applications: Mylswamy Annadurai  
Karaikudi Mylswamy Annadurai, former Director of ISRO Satellite Centre, Bengaluru, has urged young scientists to collaborate with one another and share their scientific ideas for innovative research applications. Addressing the 76th CSIR Foundation Day celebrations at Central Electro Chemical Research Institute (CECRI) here on Wednesday, he said as part of their innovations, the young scientists should come out with high quality and low-cost batteries, which could be used in space applications.

26<sup>th</sup> September, 2018  
“Scientists of CECRI should come out with batteries which are commercially viable low-cost high-quality batteries, which could be used in space applications and this is my message to the scientists,” he said. Sharing his experience and experiments in Chandrayan, Mars Mission and INSAT 2A, he said ISRO’s missions like Lunar, Mars and space governance were being pursued with a systematic implementation to solve the unsolved problems by innovative ways. “Though intelligent level is an inborn character of human being, the problem-solving skills emerged in acquiring knowledge with age and experience,” he said. He was delivering a lecture on ‘Innovation revisited’. Vijayamohanan K. Pillai, Director, CSIR-CECRI, highlighted the achievements and accomplishments of scientists in various CSIR institutions in the country. These scientists continued to excel in areas of research, scientific publication and research and development in nano-technology, he said. CSIR-CECRI has outstanding achievements to its credits, he said and wanted the



scientists to introspect themselves in doing committed research in the areas of energy storage, water, electric mobility, and environmental activities. Prof N. Rajendran, Vice-Chancellor, Alagappa University, said CECRI and Alagappa University had always maintained an ‘umbilical cord’ relationship and functioned as a sister organisation in all respects.

Mr. Annadurai honoured the employees of CECRI who had completed 25 years of service. He also distributed the cash awards to meritorious students who excelled in study and sports, to the recipients of NCCI awards and wards of staff who won in various competitions held at CECRI in connection with the CSIR Foundation Day celebration.

S. Sathiyarayanan, and D. Velayutham, Chief Scientists, were present on the occasion. On Tuesday, CECRI showcased its scientific achievements, models, science posters and technological achievements. A large number of school and college students and general public visited the campus.

**Published in:**  
[The Hindu](#)



CSIR-NEERI

26<sup>th</sup> September, 2018

# This device can purify air over 500 sqm

TNN | Sep 26, 2018, 01:17 IST

✉️ 🖨️ A- A+



*Fifty-four more such localised pollution control devices will be installed at busy intersections around the capital.*

NEW DELHI: On a day when Delhi's air quality level was 'good' on CPCB's Air Quality Index (AQI), falling to as low as 38, Union environment minister Dr Harsh Vardhan unveiled two localised pollution control devices in the capital. The device, called WAYU (Wind Augmentation Purifying Unit), was installed at ITO and Mukarba Chowk. The minister said they were planning to install additional 54 such

devices at busy intersections before October 15.

The device has been developed by Council of Scientific and Industrial Research and National Environmental Engineering Research Institute (CSIR-NEERI) as a part of a project being funded by Department of Science and Technology, officials said. Vardhan said that while this particular device is capable of purify air in an area of 500 square meters, they have plans of developing much larger devices that can cover an area of 10,000 square meters.



“The device only consumes half a unit of electricity to run for 10 hours and has a maintenance cost of Rs 1,500 per month. We are in the process of developing a bigger version,” said Vardhan.

According to Dr Rakesh Kumar, director at NEERI, the each device has been built at a cost of Rs 60,000. “The larger device is being planned at a cost of Rs 2 lakhs. Meanwhile, we will be installing 54 more devices, which will be encased to ensure no one can break or vandalise the unit,” said Kumar.

---

### TOP COMMENT

*Good invention*

*Somesh Sahu*

[SEE ALL COMMENTS](#)

[ADD COMMENT](#)

WAYU makes use of filters to remove particulate matter, alongside activated carbon and UV lamps to remove gases like carbon monoxide and VOCs. The device has been built to take in air, purify it and release cleaner air back into the surroundings, officials said.

Experts, however, feel the effectiveness of such devices is still up to question and more work needs to be put into controlling the source of emissions. “We first need to establish how effective such devices are and the role outdoor conditions play in air quality around the device. Even abroad, such devices have been used in recreational places like parks but not to as a regulative measure to curb pollution. More efforts need to go into curbing and cutting emission at source, especially at busy intersections,” said Anumita Roy Chowdhury, executive director at CSE.

**Published in:**  
[The Times of India](#)



## Open Day at NGRI, IICT and CCMB on Wednesday

CSIR

25<sup>th</sup> September, 2018

**Hyderabad:** Three major Hyderabad-based research institutions — Centre for Cellular and Molecular Biology (CCMB), National Geophysical Research Institute (NGRI) and Indian Institute of Chemical Technology (IICT) — are holding Open-Day on Wednesday. As part of the Foundation Day celebrations of Council for Scientific and Industrial Research (CSIR), the research institutions will remain open for general public and school students between 9 am and 4.30 pm. “This is a unique opportunity for people and students in Hyderabad where they can see the outcome of research in the area of chemical, biological and earth sciences. We are hoping that people take advantage of this opportunity,” said CCMB Director Dr RK Mishra. The Open-Day is also being seen as an outreach programme for the upcoming India International Science Festival (IISF)-2018 in Lucknow between October 5 and 8.

The institutions are open to making arrangements for school students and youngsters from Hyderabad who are keen to participate in the IISF. Nearly 15,000 to 20,000 students are expected to visit these institutes on Wednesday. “We have made special arrangements for students. All our research work will be on display in the form of posters, working science models, videos, group discussions etc. Our PhD researchers and scientists will also hold sessions to guide youngsters looking for a career in basic research,” Dr Mishra said. NGRI Director Dr VM Tiwari said a special website will be launched during IISF where students can directly interact with senior scientists from across all the CSIR laboratories. “Students can pose any science-related questions to scientists directly through this website. They even can pitch their ideas and discuss with scientists. It will be an open platform, and students will be encouraged to interact with their idols,” Dr Tiwari said.

**Published in:**  
[Telangana Today](#)



this country in research and education. The chief guest also distributed prizes for different activities conducted as part of foundation day celebrations. In the extempore competition, First Prize won by Dheeraj Singh of Army Public School, Domana, Second Prize went to Pooja Chargoitra of St. Fransis Hr. Sec. School while Neha Khajuria of Kendriya Vidyalaya No. 1, Jammu got the third prize. Consolation Prize-1 was awarded to Paras Pandita from Kendriya Vidyalaya, Bantalab and consolation Prize-2 to Akhilesh Bhat of Kendriya Vidyalaya No. 2, Jammu In the Science Model making competition, the First Prize winner was Sarthak Bhan and Prabhleen of SOS, Talab Tillo, Jammu for their Nitrogen Detection & Supplementation model, the Second Prize won by Shaheen Akhtar of Kendriya Vidyalaya Sunjuwan, for Vehicular Exhaust Filter and the Third Prize went to Akhil Koul from B.S.F. Senior Secondary for Bioplastic Factory. In this category, Harsh Singh of Kendriya Vidyalaya, Sunjuwan for Wheelchair Model and Kunal Singh of Kendriya Vidyalaya, Bantalab for Hydroponics got the two consolation prizes. The Science quiz competition was also held. The First, Second and third prizes were won by Aditi Raina of Army Public School, Domana, Neeraj Sharma from KV-2 Akhnoor and Shivani Sharma of Shiksha Naketan Senior Secondary School, Jammu respectively. Anmol Raina, KV Bantalab and Sonal Abrol Shiksha Naketan Senior Secondary School, Jammu got consolation Prizes.



## CSIR-NEIST to observe CSIR foundation day with special function

CSIR-NEIST

25<sup>th</sup> September, 2018

CSIR-North East Institute of Science and Technology in Jorhat of eastern Assam will be celebrating the 77th foundation day of its apex body, Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) with a day-long programme on September 26, a press communique stated. A special function is scheduled to be held at Dr J N Baruah auditorium, CSIR-NEIST at 10.30 am wherein J K Borah, general manager (Mining), North Eastern Coalfield, Coal India Limited, Margherita, Tinsukia, Assam will grace the function as chief guest and deliver the foundation day lecture. D Ramaiah, former director, CSIR-NEIST will address the occasion as guest of honour. The programme will be presided over by Samit Chattopadhyay, Director, CSIR-NEIST. Established on September 26, 1942, the Council of Scientific Industrial Research (CSIR) today has a pan-India presence with 38 constituent laboratories spread across the country.

This annual event is marked by technology awards, felicitation of employees, award of special fellowships/scholarships to science students, etc.

As a part of the celebration, CSIR-NEIST will observe 'Open Day' during 2 pm to 4.30 pm on the day for students and general public to visit the Institute.

CSIR-NEIST invites all students, general public, etc to avail this opportunity to visit the Institute and interact with scientists during the stipulated time.

**Published in:**  
[NE Now](#)



CSIR-NGRI

24<sup>th</sup> September, 2018

## **CSIR-NGRI signs MoU with AMD for uranium exploration in the country**

Hyderabad, Sep 24 (UNI) CSIR-National Geophysical Research Institute (CSIR-NGRI), Hyderabad on Monday signed an Memorandum of Understanding (MoU) with Atomic Minerals Directorate for Exploration and Research, Department of Atomic Energy (AMD-DAE), Government of India for carrying out high resolution heliborne geophysical imaging of earth's shallow subsurface for uranium exploration in different parts of the country.

The project is approved by Department of Atomic Energy (DAE), Govt. of India for acquiring 1.25 Lakh Line Kilometers (LKM) low altitude heliborne transient electromagnetic, magnetic and gamma ray spectrometric data.

CSIR-NGRI in association with AMD-DAE will carryout survey, analysis and modeling of data for the identification of potential target zones. Heliborne transient electromagnetic technique is a highly specialized tool utilized globally for mineral and groundwater exploration as well as for mega geotechnical projects.

In India, CSIR-NGRI and AMD-DAE have the expertise to carry out such sophisticated geophysical surveys and have been collaborating for heliborne surveys in Karnataka, Jharkhand, W. Bengal, Odisha, Chhattisgarh, and Madhya Pradesh.

The present MoU further strengthens the R&D collaboration between the two organizations for augmentation of uranium resources towards energy security.

The MoU was signed by Mr M B Verma, Director, AMD-DAE, Hyderabad and Dr V M Tiwari, Director, CSIR-NGRI, Hyderabad.

UNI VV SHK2110

**Published in:**

[United News of India](#)



## Switching off engines at signals can save Rs 250 crore every year: Study

CSIR-CRRI

21<sup>st</sup> September, 2018

Delhi can potentially save up to R 250 crores every year if commuters switch off the engines of their vehicles while waiting at traffic signals. This financial impact was assessed in a study that will be initiated by the Council of Scientific and Industrial Research-Central Road Research Institute (CSIR-CRRI) and the Petroleum Conservation and Research Association (PCRA). The research bodies on Thursday announced the study that will be conducted at 100 busy intersections in Delhi to see how switching off engines affects the environment and traffic. A prelude to the study was conducted at south Delhi's Bhikaji Cama Place intersection for seven days to establish the concept for the rest of the city.

“It was found that only 20% of commuters naturally switched off their engines. However, this percentage went up to 62% during the campaign. Even after the campaign was over, 53% commuters continued to switch off their engines,” PCRA executive director Alok Tripathi said. Tripathy said this showed commuters when educated were willing to contribute towards protecting the environment. An awareness campaign was also launched to educate commuters to conserve energy while idling at traffic signals. Data of the number of commuters switching off the engines of their vehicles before, during and after the campaign, would be collected.

Tripathi said the study's aim will be to see how awareness affects commuter behaviour to conserve fuel. The sample showed there was considerable reduction in the emission of carbon dioxide (CO<sub>2</sub>), nitrogen oxide (NO<sub>x</sub>), and carbon monoxide (CO) in the intersection after the campaign. Tripathy said the findings at Bhikaji Cama Place showed the best compliance of the campaign was among auto-rickshaw drivers. Before the



campaign, 30% of auto drivers used to switch off their engines; this number went up to 80% during the campaign and finally settled at 77%. The entire report is likely to be released by February next year. Mukti Advani, senior scientist (transportation and planning division), CSIR-CRRI, said the study would be conducted in phases. The first phase will collate data of the number of vehicles that switch off engines, the second phase would be to analyse the bunching of vehicles at signals and the third will assess the timer set for the red light to improve signal design.

“The assessment will be recorded and we will interview commuters to see the problems they face at traffic signals to improve these,” Advani said. From Thursday, every day, four intersections will be studied between 8am and 8pm. From 8am to 12pm, the focus will be to collect data to improve signal designs of each intersection.

Satish Chandra, director CRRI, said higher duration of stoppage at traffic signals leads to higher pollution levels and also increases frustration level, causing the drivers to violate traffic rules.

“Ideally, the entire signal cycle shouldn’t exceed over 120 seconds, but at several intersections the red light time itself is over 180 seconds. The study will also assess traffic signal patterns to reduce jams,” Chandra said.



**Please Follow/Subscribe CSIR Social Media Handles**



[CSIR INDIA](#)



[CSIR\\_IND](#)



[CSIR India](#)